

सेवोपहार पुं. (तत्.) आनुतोषिक, सेवा मुक्त होने पर या अन्यथा भी मिलने वाली राशि आदि।

सेव्य पुं. (तत्.) वीरणमूल, खस, अश्वत्थ वृक्ष, पीपल, गौरेया, चिड़ा एक प्रकार का पुराना मद्य, समुद्री नमक, रक्त चंदन, दही का थक्का या बीच का भाग, लामज्जक, हिज्जल वृक्ष, जल, अशीर, पीपल टि. रक्षणीय, संचित करने योग्य, आराध्य, पूज्य, सेवा करने योग्य, व्यवहार में लाने योग्य, अध्ययन योग्य, सेवा किए जाने योग्य, व्यवहार-योग्य रक्षणीय, अध्ययन के योग्य।

सेव्य सेवक भाव पुं. (तत्.) स्वामी और सेवक के बीच का आचरण या व्यवहार, उपास्य और उपासक की भावना।

सेव्या स्त्री. (तत्.) एक जंगली धान, दूसरे पेड़ों पर लगने वाला एक पौधा, बाँदा, बंदा, आँवला।

सेशन पुं. (अं.) स्कूल, कॉलेज की लगातार पढ़ाई का सत्र, दौर, अदालत, संसद, न्यायालय आदि संस्थानों की निश्चित अवधि या सत्र, कुछ निश्चित समय तक चालू रहने वाली बैठक या अधिवेशन।

सेशन कोर्ट पुं. (अं.) हत्या आदि गंभीर अभियोग पर विचार करने वाली अदालत, सत्र न्यायालय।

सेशर पुं. (अं.) किसी अनुपयुक्त या दोषयुक्त कार्य करने का दोषी पाए जाने पर सरकारी संदर्भ में की जाने वाली चेतावनीपूर्ण निंदा, भविष्य में दोषपूर्ण कार्य न करने विषयक चेतावनी।

सेश्वर वि. (तत्.) ईश्वर युक्त, ईश्वर का अंश या उस की सत्ता को मानने वाला पुं. ईश्वर की विद्यमानता की स्वीकृति या मान्यता वाला।

शेष पुं. (तद्.) 1. बचा हुआ, शेष, शेष, नीचे बचा हुआ 2. शेषनाग।

शेषुक वि. (तत्.) शेष, बाणयुक्त।

शेष वि. (तद्.) शेष, शेषनाग।

सेसरंग पुं. (तद्.) 1. सफेद रंग 2. शेषनाग के समान सफेद रंग।

सेसर पुं. (देश.) 1. छल कपट, धूर्तता, जाल, जाल साजी, धोखेबाजी 2. एक प्रकार का ताश का खेल।

सेसरिया वि. (देश.) जाल करने वाला या रचने वाला, जालिया, चालबाज, धूर्त, छल-कपट करके दूसरों का माल हड़पने वाला।

सेसी पुं. (देश.) एक प्रकार का बहुत ऊँचा पेड़ जिसकी लकड़ी का सामान बनता है, पगूट।

सेह वि. (फा.) तीन (का भाव देने वाला समास) उदा. सेहखाना अर्थात् तिमंजिला मकान स्त्री. साही नाम जंतु।

सेहत स्त्री. (अर.) 1. शारीरिक अवस्था, रोग मुक्ति, शुद्धि, निर्दोष होना, आरोग्य, स्वास्थ्य, सही या ठीक होना, तन्दुरुस्ती, निर्दोष होना 2. सुख, चैन, राहत।

सेहत खाना पुं. (अर.) शौचालय, पाखाना, पेशाब आदि के लिए जहाज पर या मकान में बनी हुई एक छोटी सी कोठरी।

सेहतमंद वि. (अर.) तन्दुरुस्त, स्वस्थ।

सेहती वि. (अर.) 1. सेहतमंद, स्वस्थ 2. स्वास्थ्य-संबंधी, स्वास्थ्य का।

सेहथना स.क्रि. (तत्.) लीप-पोतकर साफ-सुथरा बनाना, झाड़-बुहार कर स्वच्छ बनाना।

सेहर पुं. (अर.) जादू-मंत्र, टोना-टोटका।

सेहरा पुं. (देश.) 1. विवाह के समय दूल्हे या वर के सिर पर बाँध कर लटकने वाली फूलों या गोटे आदि की लड़ियाँ आदि, मौर, इस अवसर पर गाए जाने वाली गीत या शुभकामनाएँ 2. कब्र के ताखे पर रखी जाने वाली फूल की माला 3. मछली के शरीर पर सीपी की तरह चमकीले छिलके जो छोटे-छोटे टुकड़ों की तरह निकलते हैं।

सेहराबंदी स्त्री. (देश.) सेहरा बाँधने का कार्य, सेहरा-बँधाई।